खबर संक्षेप

परिवार से बहिष्कृत बैगा बच्चों का किया गया पुर्नवास

मंडला। बाल कल्याण समितिएमंड़ला देखरेख और संरक्षण के लिए जरुरतमंद बच्चों के विकासए सुरक्षा उपचारए विकास और पुर्नवास के लिए कार्य कर रही है। बाल कल्याण समिति ने मंड़ला जिला कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के मार्गदर्शन में बैगा जनजाति के दो बच्चों को रेस्क्यू करने के दो माह बाद आवासीय विद्यालय में प्रवेश सुनिश्चित किया। बैगा जनजाति के दो बच्चों को उनके अभिभावकों ने मार्च के प्रथम सप्ताह में माहिष्मती घाटए मंडला में छोड़ दिया था। इन बच्चों की जानकारी मिलते ही बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष गजेन्द्र गुप्ता और सदस्य रंजीत कछवाहा ने विभागीय अमले के सहयोग से बच्चों को रेस्क्यू किया और आर्दश बाल गृह पहुंचाया। बच्चों के जैविक माता .पिता की जानकारी जुटाई गई। विशेष किशोर पुलिस इकाई के माध्यम से माता को बाल कल्याण समिति के समक्ष उपस्थित कराया गया। परामर्श के दौरान माता.पिता के अत्यधिक शराब के सेवन और लड़ाई के तथ्य की जानकारी मिली। माता .पिता बच्चों के लालन.पालन में अत्यधिक लापरवाह थेए एकाध बार पहले भी बच्चों को घर से निकाल दिया था।मार्च के प्रथम सप्ताह में बच्चों के साथ गाली.गलौच कर उन्हें दुबारा घर न आने के चेतावनी के साथ माहिष्मती घाटएमंड़ला में छोड़ दिया था। दो.तीन दिन से भूखे प्यासे बच्चों को रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू के समय एक बच्चे के आंखों में गंभीर संक्रमण था। पहले शासकीय चिकित्सालय में उपचार कराया गया। बाल कल्याण समिति ने बाल गृह के निरीक्षण के दौरान निजी क्षेत्र के नेत्र रोग विशेषज्ञ से उपचार सुनिश्चित किया । उपचार से बच्चे को काफी राहत है।

भागवत कथा श्रवण से जीवन के सारे क्लेश मिट जाते हैं

-मंडला। मनुष्य को मानव जीवन मिला हैए इसलिए उसे परमात्मा की आराधना कर जीवन को सफल बनाना चाहिएए लेकिन मोह माया में लिप्त मनुष्य इस पुण्य कर्म को भूल जाता है। ये बातें ग्राम खड़देवरा में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में रविवार को कथा वाचक पं संतोष शास्त्री पदमी वाले ने कहा। उन्होंने कहा कि श्रीमदभागवत ऐसा ग्रंथ हैए जिसके श्रवण मात्र से ही दुख दूर हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि अधिकांश घरों में शिवपुराणए रामायणए गीताए भागवत ग्रंथ रखे मिलेंगेए लेकिन उनका अध्ययन नहीं किया जाता है। भागवत कथा श्रवण से जीवन के सारे क्लेश मिट जाते हैं। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के युग.युगांतर में किए गए सत्कर्मों के फलस्वरूप मानव जीवन प्राप्त होता है। मानव जीवन मिलने के बाद जिन्हें भागवत कथा सुनने का अवसर मिल जाए वह सत्संगी बड़े भाग्यशाली होते हैं। मनुष्य को मानव जीवन मिला हैए इसलिए उसे परमात्मा की आराधना कर जीवन को सफल बनाना चाहिएए लेकिन मोह माया में लिप्त मनुष्य इस पुण्य कर्म को भूल जाता है। कथा के माध्यम से उन्होंने समाज को संदेश दिया कि बड़े.बड़े कष्ट मां जगत जननी के पास लोग ले जाते हैं। देवी.देवताओं की पूजा करते हैं। लेकिन जगत जननी भी यही कहती है कि यदि घर में मां भूखी बैठी हो तो यहां प्रसाद चढ़ाने का कोई फायदा नहीं। जिस घर में मां बाप की सेवा होती है वहां भगवान भी खुश होते हैं। ग्राम खड़देवरा में 29 मई से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा हैए 5 जून को पूजनएहवन भण्डारा के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। आयोजकों ने अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

शिक्षा विभाग में स्थानांतरण नीति आते विभाग में चर्चा दौर गरम

राजनीतिक संरक्षण के आरोप, नियमों की अनदेखी से बढ़ी जनचर्चा

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी जिला मण्डला

जनजातीय कार्य विभाग जिला मण्डला

कार्यालय
जिला शिक्षा केन्
मग्र शिक्षा अभियान, मण्डल

.जिले में हाल ही में लागू की गई शिक्षा विभाग की स्थानांतरण नीति को लेकर विभागीय गलियारों से लेकर जनसामान्य तक चर्चाओं का दौर तेज़ हो गया है। मीडिया द्वारा किए गए खुलासों से यह स्पष्ट हो रहा है कि कई पदस्थापन नियमों को दरकिनार कर प्रभावशाली व्यक्तियों के हस्तक्षेप में किए गए हैं।

हरिभूमि न्यूज मण्डल

आश्चर्य की बात यह है कि नियमों के विरुद्ध की गई इन नियुक्तियों पर अब तक जिला प्रशासन की ओर से कोई कार्यवाही नहीं की गईए जिससे संदेह और गहरा होता जा रहा है। सूत्रों के अनुसारए कई स्थानांतरणों में जनप्रतिनिधियों का सीधा हस्तक्षेप सामने आ रहा है। इसके चलते यह धारणा बन रही है कि जहां एक ओर नियम केवल दस्तावेज़ों तक सीमित रह गए हैंए वहीं दूसरी ओर ष्ऊपर तक पहुंचष रखने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों को नियमों से ऊपर रखा जा रहा है।

जनजातीय कार्य विभाग में अधिकारियों के पास कई प्रभार

एक अन्य गंभीर मुद्दा जनजातीय कार्य विभाग में देखा जा रहा हैए जहां कई अधिकारियों को एक साथ एक से अधिक प्रभार दिए गए हैं। इससे विभागीय कार्यों की गुणवत्ता पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। स्वाभाविक है कि एक ही अधिकारी सभी विभागों को पर्याप्त समय नहीं दे सकताए जिससे व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं। इस संदर्भ में प्रशासन को शीघ्र निर्णय लेकर नए पदस्थापन कर अतिरिक्त प्रभारों को समाप्त करना चाहिए।

अच्छे कार्य करने वाले अधिकारियों पर साजिशन कार्रवाई की आशंका.

चिंता का विषय यह भी है कि कुछ ऐसे अधिकारी जो अपने कार्यों में पारदर्शिता और कर्मठता से कार्य कर रहे हैंए उन्हें भी विभागीय राजनीति का शिकार बनाया जा रहा है। जानकारी के अनुसारए उनके अच्छे कार्य कुछ गुटों को रास नहीं आ रहेए और उन्हें हटाने की कोशिशें अंदरखाने चल रही हैं। यदि ऐसा होता है तो इससे विभाग में कार्यरत ईमानदार और परिश्रमी अधिकारियों का मनोबल टूट सकता है।

कर्मचारी संगठनों की भूमिका पर भी उठे सवाल

शिक्षा विभाग में सक्रिय कुछ कर्मचारी संगठनों की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। आरोप हैं कि ये संगठन अब कर्मचारियों के हित के बजाय निजी स्वार्थ सिद्ध करने का माध्यम बनते जा रहे हैं। संगठन की आड़ में नियमों को ताक पर रखकर स्थानांतरण और पदस्थापन जैसे मुद्दों पर दबाव बनाया जा रहा है।

आवश्यक है पारदर्शिता व निष्पक्षता.

यह समय है जब जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को गंभीरता से विचार कर विभागीय कार्य प्रणाली में पारदर्शिता लाने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। अन्यथाए शिक्षा विभाग में निरंतर बढ़ रहे असंतोष और अनियमितताएं जिले की शिक्षा व्यवस्था को और अधिक कमजोर कर सकती हैं।

बीएसवीपी मंडला ने मनाया महामहिम राज्यपाल का जन्मदिवस

मंडला। सामाजिक संस्था भागीरथ सेवा विकास परिवार मंडला और अजेय मंडला पत्रिका द्वारा 1 जून 2025 को मध्यप्रदेश के माननीय महामहिम राज्यपाल श्री मंगू भाई पटेल जी का जन्मदिवस स्थानीय गुरुकुल गयाजीपुर में मनाया। गुरुकुल में रहने वाले विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री मिष्ठान वितरण और पौधा रोपण कर मनाया माननीय महामहिम राज्यपाल महोदय का जन्मदिवस। संस्था के अध्यक्ष डॉ अजय कुमार वंशकार ने कहा कि मध्य प्रदेश के माननीय महामहिम श्री मंगु भाई पटेल जी का सामाजिक चिंतन एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उनका समर्पित भाव हम सभी के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। सिकल सेल एनीमिया के प्रति कार्य करने की प्रेरणा हम सभी को सर्वप्रथम इन्हीं से प्राप्त हुई। 1 जून 2025 को माननीय महामहिम राज्यपाल महोदय जी के जन्मदिवस पर हमारे संस्था द्वारा सिकल सेल एनीमिया रोकथाम जन जागरुकता एवं सेवा कार्य किया गया। इस अवसर पर समिति गुरुकुल में मुख्य रूप से आचार्य श्री भीमदेव जी समिति के सक्रिय सदस्य श्री दुर्गेश चौधरीए अध्यक्ष डॉ अजय कुमार वंशकार और अन्य सदस्य विधार्थी उपस्थित रहे।

लोक माता देवी बाई के 300वीं जयंती पर संगोष्ठी आयोजित

सरदार पटेल कॉलेज में हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज मण्डल

शनिवार को लोक माता देवी अहिल्या बाई के 300 वीं जयंती के अवसर पर सरदार पटेल कॉलेज में संगोष्ठी का आयोजन किया गया जहां कार्यक्रम की शुरुआत देवी अहिल्या बाई के तेल चित्र पर माल्यार्पण करते हुए दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल मिश्रा ने तैलचित्र पर तिलक व पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। साथ ही उनके जीवन के बारे में प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई ने अपने राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। उन्होंने मंदिरों और घाटों का निर्माण करवाया, धर्मशालाओं का निर्माण किया, और कई अन्य सामाजिक सुधार किए. उनका शासनकाल न्याय और सुशासन के लिए प्रसिद्ध था। वे अपने राज्य में सभी धर्मों और जातियों के लोगों को समान रूप से सम्मान देती थीं और उन्हें न्याय प्रदान करती थीं. अहिल्याबाई का जीवन एक प्रेरणा है, जो हमें दिखाती है कि कैसे एक महिला शासक अपने राज्य को समृद्ध और न्यायपूर्ण बना सकती है। वही मुख्य वक्ता सुश्री उर्वशी राय ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर साधारण से किसान के घर पैदा हुई एक महिला थी, जिन्होंने सदैव अपने राज्य और वहां के लोगों के हित में ही कार्य किया। उनके कार्य की प्रणाली बहुत ही सुगम एवं सरल है अर्थात इन्होंने अपने राज्य के लोगों के साथ बड़े ही प्रेम पूर्वक एवं दया के साथ व्यवहार किया। अहिल्याबाई होलकर के इतिहास के बारे में इस ब्लॉग में हम आपको उनके बारे में बताएंगे। उन्होंने कई युद्धों में अपनी सेना का नेतृत्व किया और हाथी पर सवार होकर वीरता के साथ लड़ीं। वे मालवा प्रांत की महारानी थी। अहिल्याबाई होल्कर ने समाज की सेवा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। उक्त कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा जी कॉलेज के प्राचार्य श्री आशीष ज्योतिषी जी श्री विकास यादव जी श्री सौरभ गुप्ता जी श्री सुनील मिश्रा जी मौजूद रहे।

पीने के पानी के लिए परेशान हो रहे हैं लोग

नारायणगंज

जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत अमदरा के ग्राम कुई मैं पानी के लिए जनता परेशान हो रही है इस भीषण गर्मी में पानी के लिए लोग भटक रहे हैं जहां पर विगत सालों से पानी की समस्या बनी हुई है विभाग द्वारा इस तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिसके कारण लोगों को पानी के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है पंचायत द्वारा पानी के टैंकर की व्यवस्था की गई है परंतु लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है जिम्मेदार अधिकारी मोन बैठे हुए हैं लगातार लोगों की मांग होने के बाद भी शासन द्वारा जल जीवन मिशन जो की यह योजना योजना का लाभ ग्रामीण जनता को नहीं मिल पा रहा है ठेकेदार द्वारा इस योजना का लाभ उठा रहे हैं परंतु लोगों को अभी भी पानी के लिए बड़ी मेहनत करनी पड़ रही है परंतु पीने का पानी नहीं मिल पा रहा है

किसली भिलवानी में मनाया गया तंबाकू निषेध दिवस

भुआबिछिया। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर साल 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस का आयोजन किया जाता है ताकि तंबाकू और इसके उत्पादों के सेवन से होने वाले नुकसान और परिवार, समाज , पर्यावरण पर इसके कुप्रभाव के बारे में लोगो मे जागरूकता बढ़ाई जा सके। इसी तारतम्य में आज दिनांक 31/05/25 को राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम आर, के, एस ,के अंतर्गत बिछिया ब्लॉक के द्वारा ग्राम किसली भीलवानी में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में लोगों को तंबाकू और तंबाकू से बने उत्पादकों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया गया आमजन से अपील की गई कि तंबाकू और तंबाकू के उत्पादकों का सेवन किसी भी हाल में ना करें , अपने और अपने परिवार के एवं अपने देश के हित में तंबाकू का सेवन का त्याग करे ! इस कार्यक्रम में रैली निकाली गई,लोगों से जन संवाद किया गया, नरे लगाए गए बाद कार्यक्रम का समापन किया गया कार्यक्रम में Rksk ब्लांक बिछिया से नन्दलाल नायक (कउनसलर), शिखा बरवे (मास्टर ट्रेनर) , ग्राम सरपंच डिलन तेकाम, ग्राम सचिव ,चंद्रवती तेकाम आशाकर्ता , संतेषी धुर्वे , इंद्रकली परते, Rksk साथिया कृष्णा यादव, रंजीत धुर्वे, सालनी धुर्वे, अलिषा तेकाम , अजय यादव व आस पास ग्राम के आमजन लोग सामिल रहे ,

127 यात्री बसें एवं 8 स्कूल बसों पर चालानी कार्यवाही

मण्डला।

स्कूली बच्चों की सुरक्षित परिवहन व्यवस्था एवं आम नागरिकों की यातायात सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु दिनांक 13 मई 2025 से 31 मई 2025 तक विशेष संयुक्त जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्कूली एवं यात्री परिवहन वाहनों की सुरक्षा मानकों के अनुरूप जांच करना था। मंडला जिले में इस अभियान के अंतर्गत यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों एवं चेकिंग प्वाइंट्स पर गहन निरीक्षण किया गया। इस दौरान न केवल स्कूल वाहनोंए बल्कि सामान्य यात्री परिवहन वाहनों की भी विधिवत जांच की गई। साथ हीए सभी स्कूल वाहन संचालकों को यह अनिवार्य रूप से निर्देशित किया गया कि वे अपने वाहनों में आकस्मिक सेवा ;जैसे पुलिसए एम्बुलेंस आदिद्ध के संपर्क नंबर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करें। इस व्यापक अभियान के दौरान 127 यात्री बसों एवं 8 स्कूल बसों में सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर उनके विरुद्ध चालानी कार्यवाही की गईए एवं कुल 157,000 का जुर्माना वसूला गया।

पत्रकारिता समाज को सही दिशा दिखाने का सशक्त माध्यम: आलोक सिंह

देवर्षि नारद जयंती कार्यक्रम में हुआ वरिष्ठ पत्रकारों का सम्मान

मंडला।

नारद जयंती
2025
स्वयंसेवक संघ
विभाग, मण्डला

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ;आरएसएसद्ध के प्रचार विभाग द्वारा आद्य पत्रकार देवर्षि नारद जी की जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन पीडब्ल्यूडी रेस्टहाउस में किया गया। इस कार्यक्रम में पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले वरिष्ठ पत्रकारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता स्वदेशी जागरण मंचए जबलपुर के प्रांत संयोजक आलोक सिंह चौहान ने अपने उद्बोधन में पत्रकारिता की सामाजिक जिम्मेदारी और देवर्षि नारद के आदर्शों का उल्लेख करते हुए कहा कि पत्रकारिता समाज को सही दिशा दिखाने का एक सशक्त माध्यम हैए और इसे नारद जी के सत्यए निष्पक्षता और लोक कल्याण के सिद्धांतों पर आधारित होना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित वरिष्ठ पत्रकार सुनील दुबे ष्अन्ना महाराजष और सुधीर उपाध्याय ने पत्रकारिता के बदलते स्वरूप और इसके समाज पर प्रभाव पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार सुनील दुबे ष्अन्ना महाराजष्ए सुधीर उपाध्यायए विमलेश मिश्राए चंद्रेश खरे और हनुमान तिवारी को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार नीरज अग्रवाल और आभार जिला प्रचार प्रमुख दीपचंद नंदा ने किया। इस अवसर पर आरडी कॉलेज प्राचार्य डॉ अनिल गुप्ताए सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ विजेंद्र चौरसिया सहित स्थानीय पत्रकारए स्वयंसेवक और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

नर्मदाजी के निर्मल नीर में मिल रहा गंदी नाली का पानी लोगों की भावना को पहुंच रही टेस

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। क्षेत्र की जीवनरेखा माँ नर्मदाजी की शुद्व करने के लिये आये दिन मुहिम तो चलाई जाती है, मगर वह मात्र चंद दिनों तक अखबारों की सुर्खिया बनने के बाद सच्चाई को जिस प्रकार से भुला दिया जाता है उसके चलते निश्चित तौर से माँ नर्मदाजी में गंदगी फैलाने वालों के हौसले बुलंद होने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय समीपस्थ झिकोली घाट में देखने मिल रही है जहां पर माँ नर्मदाजी के निर्मल नीर में गंदी नाली का पानी मिलते हुये देखे लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेंस पहुंचने से नही चूक पा रही है। बताया जाता है कि ग्राम पंचायत झिकोली की अनदेखी के चलते ग्राम की नालियों से निकलने वाली संपूर्ण गंदा पानी सीधे माँ नर्मदाजी में पहुंच रहा है, जिससे नर्मदाजी के घाट पर गंदगी फैल रही है, वही दूसरी ओर चल रहे धार्मिक मास के चलते प्रतिदिन नर्मदा तट पर भक्तों की भीड़ उमड़ने के दौरान इस प्रकार से नालियों का गंदा पानी नर्मदाजी के निर्मल नीर में मिलते हुये देख लोगों में आक्रोश पैदा होने से भी नही चूक पा रहा है। इस बात को लेकर माँ नर्मदा भक्तों द्वारा ग्राम पंचायत झिकोली सहित क्षेत्र के अधिकारियों से गुहार लगाते हुये मांग की गई है कि ग्राम झिकोली से निकलने वाले इस गंदे पानी को माँ नर्मदाजी में जाने से तुरंत रोक लगाई जावे।

नगर में शराब दुकानों के नाम से पहचाने जा रहे प्रतिष्ठ स्थान

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। शांति प्रिय माने जाने वाले इस नगर को जहां पहले लोग मंदिरों व अन्य प्रसिद्व जगहों के नाम से जानते थें, मगर समय जिस प्रकार से बदल रहा है और युवाओं के जरूरी माने जाने वाले दृव्य पद्धार्थो की सबसे ज्यादा उपयोगता होने के चलते लोग पुराने उन स्थानों को भूलने लगे है? क्योंकि इस आधुनिक दौर में शहर के युवा आकर्षक वेश भूसा, अफसर भ्रष्टाचार करने की कला में पहचाने जा रहे है तो वही दूसरी ओर नेता आश्वसन देने में माहिर होने तथा दुकाने, निजी शालाएं चमदमक से पहचानी जा रही है पर दुर्भाग्य से अब लोगों के घर कम्पूटर सेन्टर, अच्छे व्यापारिक प्रतिष्ठान अब शराब दुकानों के नाम से अपनी अपनी पहचान बनाने लगे है। जानकारी के अनुसार आपाधापी के दौर में आमजन सहज में लोगों के घरों व दुकानों के स्थानों की पहचान झूलते हुए अपने शुभ चिंतकों से जरूरत पड़ने उनका पता पूछते घुमते है? किन्तु जब उन्हें बताया जाता है कि उनकी चाहत वाला ठिकाना फलां शराब दुकान के करीब है तो वह निश्चित होकर कहने लगता है कि अब वे अपने चाहे गये ठिकाने को आसानी से खोज सकता हूं? उक्त सच्चाई की मिसाल हाल में देखने मिली जब शहर के एक व्यक्ति को जब किसी काम से एक अखबार के कार्यालय में पहुंचे तो उन्हें अपनी फोटो तैयार कराने के लिए नगर के सबसे पुराने आचार्य मंदिर के सामने स्थिति एक कम्पूटर सेन्टर पर फोटो बनबाने को कहा गया तो उनका उत्तर था कि इस मंदिर को नही जानते है जिसके कारण वह उस कम्पूटर सेन्टर पर नही पहुंच सकते, मगर जब उन्हें उसी कम्पूटर दुकान पर पहुंचने के लिए वहां की शराब दुकान के पास का पता बताया तो वह तुरंत उस कम्पूटर सेन्टर को पहचान गये। इस बात से यह सच्चाई स्पष्ट होते हुए देखी जा रही है कि लोग आज मंदिरों को भूलकर शराब दुकानों से ज्यादा तालुक रख रहे है जिसके चलते मंदिर के पता पर लोग पहुंचने में परेशान हो रहे है मगर शराब दुकान के पाते के आधार पर इस प्रकार के प्रतिष्ठत जगहों को आसानी से पहचान पा रहे है। देखा जा रहा है कि लोग अब शहर में शराब दुकानों के पास जो प्रतिष्ठान, घर है उनको पहचाने में लोगों को कठिनाई नही हो रहे है और शासकीय चिकित्सालय, थाने छोड शहर की मुख्य जगहों की लोकेशन लोगों के जेहन से गोल होती जा रही है?

भ्रष्टाचार की सच्चाई उजागर होने के बाद भी प्रशासन की चुप्पी पर उठ रहे सवाल...?

छः साल पहले लाखों की राशि से बनी हुई सड़क सहित पुल नदी में बह जाने के बाद सुधारने के लिये आज तक नहीं किये गये कोई ठोस प्रयास

हरिभूमि न्यूज/सिंहपुर छोटा

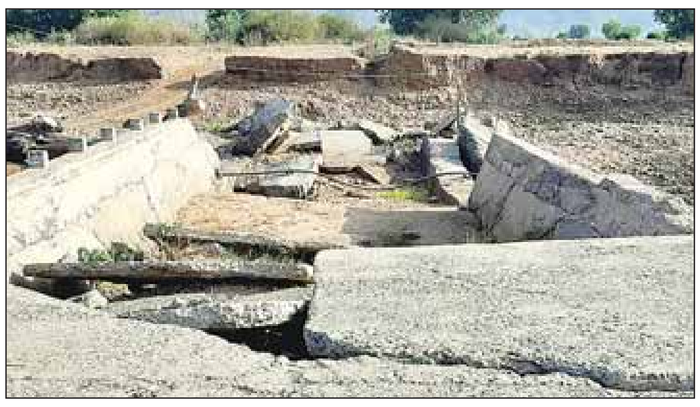

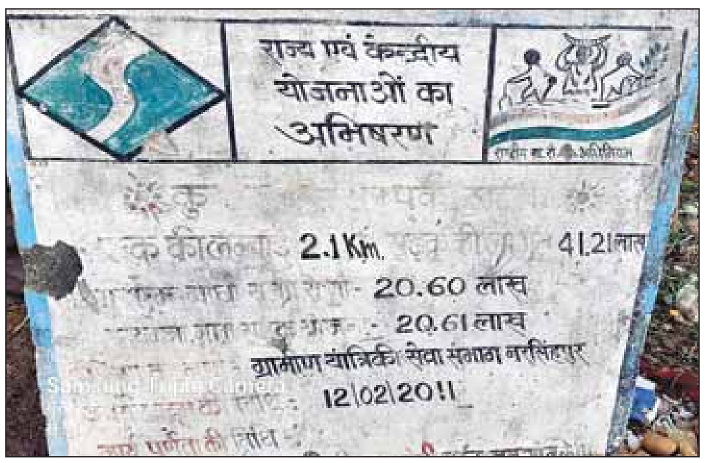
राज्य एवं केन्द्रीय योजनाओं का अभिषरण
2.1 Km.
41.21 लाख
20.60 लाख
20.61 लाख
ग्रामीण यांत्रिकि सेवा संभाग नरसिंहपुर
12\02\2011

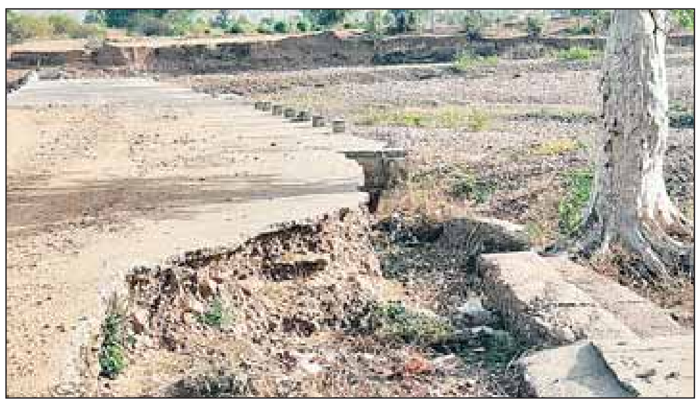

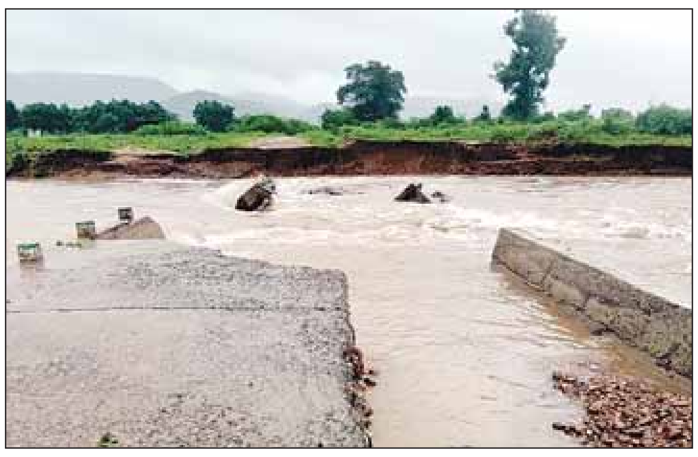

क्षेत्र के जंगल पट्टी गोटोरियाँ के आसपास निवास करने वाले लोग किसी तरह अपनी जिन्दगी व्यतीत करते हुये देखे जा रहे है यह सच्चाई शायद ही क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों से छिपी हो? क्योंकि जहां क्षेत्र के अनेक गांवों के लोगों को आज भी आने जाने के लिये सड़को का आभाव देखने मिल रहा है। वही दूसरी ओर यदि शासन द्वारा विकास के नाम पर प्रदान की जाने वाली राशि की सच्चाई इस तरह बंदर बांट होते हुये देखी जाती है कि वह विकास कार्य चंद दिनों में ही अपनी गुणवत्ता की सच्चाई को उपजार करने से नही चूकते है? इस तरह सही मायने में देखा जावे तो जंगल क्षेत्र में शासन द्वारा विकास के नाम पर राशि तो खर्च की जा रही है। मगर वहां पर होने वाले विकास कार्य जिस तरह गफलतबाजी की भेंट चढ़ते हुये देखे जाते है उसके चलते आज भी यहां पर रहने वाले लोग आज से 50 वर्ष पहले जैसी स्थिति में अपनी जिन्दगी काटने के लिये मजबूर होते हुये देखे जा रहे है? इस तरह सरकार द्वारा अंतिम छोर पर बैठे हुये लोगों के विकास नाम पर लाखों रूपया की राशि खर्च किये जाने के बाद भी उनके दिन बदलते हुये दिखाई नही पड़ रहे है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय गोटीटोरिया क्षेत्र के कुछ गांवों में देखने मिल रही है? कहने के लिये तो सरकार द्वारा यहां पर लगभग 13 वर्ष पहले ऊपर नदी में पुल सहित सड़क की स्वीकृति प्रदान करते हुये यहां के लोगों को पक्के मार्ग की सुविधा प्रदान करने के साथ शासन द्वारा लाखों रूपया खर्च किये गये थें। मगर वह मार्ग किस तरह गफलतबाजी की भेंट चढ़ गया है उसके चलते आज भी यहां के लोग कच्चे मार्ग पर पैदल चलते हुये देखे जा रहे है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2011 में शासन द्वारा राज्य एवं केन्द्रीय योजनाओं का अभिषरण के तहत 12 फरवरी 2011 को 2.1 किलो मीटर का पक्का मार्ग स्वीकृत किया गया था जिसकी लागत 41.21 लाख रूपया से करने की योजना थी। वही इस मार्ग व पड़ने वाले ऊपर नदी पर रिपटा नुमा पुल बनाने की जिम्मेदारी ग्रामीण यांत्रिकी संभाग नरसिंहपुर पर थी। इस कंपनी द्वारा स्वीकृति के उपरांत लगभग 7 वर्ष के बाद किसी भी तरह से ग्राम मानेगांव व कुकलोर के निवासियों के लिये मार्ग का निर्माण तो पूरा कर दिया गया था। मगर इस मार्ग के निर्माण के दौरान ही उसकी गुणवत्ता पर सबाल उठाना शुरू हो गये थें। मगर जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही देने का परिणाम इस तरह से देखने मिला था कि वर्ष 2018 में जब यह मार्ग व ऊमर नदी पर रिपटानुमा पुल बनकर तैयार होते होते वर्ष 2019 आ गया था। इस तरह लगभग छः साल पहले यानि की 8 सितम्बर 2019 को क्षेत्र में हुई जरा सी बारिश ने इस सड़क व पुल के निर्माण की सच्चाई को इस तरह से उजागर किया गया था कि एक ही बाढ़ के दौरान पुल सहित जहां अनेक जगहो से सड़क बहते हुये बारिश के पानी में बहने से नही चूक पाई थी। जिसकी सच्चाई को क्षेत्र की मीडिया द्वारा प्रमुखता के साथ उजागर किया गया था कि ग्रामीणों की सुविधा के लिये बनाया गया मार्ग किस तरह मात्र एक वर्ष की अवधि के दौरान बारिश में बह गया है? मगर इसके बाद भी प्रशासन से लेकर क्षेत्र के जिम्मेदारों की चुप्पी का आलम इस तरह से देखने मिला है कि शायद गफलबाजी के भेंट चढ़ी हुई लाखों की राशि से बनाई गई इस सड़क की जांच करना तक उचित नही समझा गया होगा? इस तरह लगभग पांच-छः साल पहले नदी के पानी में बही हुई 2.1 किलो मीटर की सड़क व रिपटा नुमा पुल को लेकर आज तक जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा किसी भी तरह से ध्यान नही देने का परिणाम इस तरह से देखने मिल रहा है कि जहां टूटी हुई सड़क आज भी मौके पर मौजूद रहते हुये अपनी गफलत बाजी की सच्चाई को बता रही है और बीते हुये लगभग छः साल से इस क्षेत्र के अनेक गांवों के निवासी कच्चे मार्ग पर चलने के लिये मजबूर होते हुये देखे जा रहे है? इस तरह बड़ी मुश्किलों के बीच कई वर्षो के बाद यहां के निवासियों को प्राप्त हुई पक्की सड़क की सौगात ग्रामीणों के उपयोग में एक वर्ष भी नही आने के बाद नदी के पानी में बह जाने से लोग आज भी कच्चें मार्ग यानि की जुगाडनुमा व्यवस्था के भरोसे पर निकलते हुये देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर देखा जाता है कि जब बारिश का मौसम शुरू होते ही नदी में पानी का स्तर बढ़ जाता है तो यहां पर निवास करने वाले लोगों का शहरों से संपर्क टूट जाने के कारण वह चार माह तक अपने गांवों में कैद रहने के लिये मजबूर हो जाते है? इस स्थिति में जब कोई व्यक्ति बीमार पड़ जाते है तो निश्चित तौर से उसका भगवान ही मालिक होने से नही चूकते है और इसकी सच्चाई आने वाले महिनों में बारिश का दौर शुरू होते ही दिखाई देने लगेगा? इस तरह कहने के लिये तो सरकार द्वारा हर वर्ष ग्रामीणों की सुविधाओं को लेकर करोड़ो की राशि खर्च करते हुये विकास कार्य किये जा रहे है। मगर उन विकास कार्यो के नाम पर सरकारी धन की किस तरह होली खेली जा रही है इससे बड़ा उदाहरण शायद ही अन्य कही देखने मिल पायेगा..? इस प्रकार से बीते हुये सितम्बर माह 2019 यानि की लगभग छः साल पहले जरासी बारिश के पानी में इस मार्ग के बह जाने के बाद आज तक न किसी अधिकारी ने इस ओर ध्यान देने की जरूरत महसूस की गई और न ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा जिसका परिणाम है कि यहां पर निवास करने वाले लोग आज भी पहले की तरह कच्चे मार्गो से आना जाना करते हुये देखे जा रहे है।

निःशुल्क उपचार शिविर में 62 मरीजों को मिला लाभ, निःशुल्क रूप से ही प्रदान की गई दवाईयाँ

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। समीपस्थ ग्राम कान्हरगांव में मानव सेवा समिति के युवाओं द्वारा भगवान सत्य साई बाबा के बताये हुए मार्ग मानव सेवा ही माधव सेवा है को चरितार्थ करते हुये। हर माह के पहले रविवार को जहां ग्राम के साई सेवा केन्द्र साई धाम मंदिर (कान्हरगाव) में निः शुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन किया जाता है। वही दूसरी ओर लोगों को पर्यावरण की रक्षा का संदेश देते हुये दबाईयों का वितरण कागज के पैकिटों में किया जाता है। इस तरह बीते हुये रविबार 70 वें कैम्प का आयोजन किया गया। बताया जाता है कि इस कैम्प में 2 शहरों सहित 15 गावों के लगभग 62 मरीजों ने अपना पहुंचकर अपना उपचार कराया गया। इस दौरान सभी मरीजों को समिति के युवाओं द्वारा पूर्ण निःशुल्क रूप से दवाईयों का वितरण भी किया गया। जानकारी के अनुसार आयोजित किये गये इस मेडीकल केंप को पालिथिन मुक्त रखते हुये पन्नी के उपयोग से होने वाली बीमारियों सहित पर्यावरण को पहुंचने वाली क्षति से भी अवगत कराया गया। जिसके चलते मरीजों को कागज के पैकिटों में दबाईयों का वितरण करते हुये जागरूक भी किया गया। वही मरीजों का उपचार करने के लिये लगाये गये मेडीकल कैम्प में महिला रोग विशेषज्ञ डा स्वाती कुरचानिया, डाक्टर उपेन्द्र बस्त्राकार, डाक्टर संजय मोदी, डा,अरूण दोहरे, सहयोगी राहुल गोस्वामी, आकाश रजक सहित शिव स्व सहायता समूह कि सदस्यों एवं ग्राम कान्हरगांव के मानव सेवा समिति से जुड़े हुये युवाओं ने अपनी सेवायें प्रदान करते हुये मरीजों को लाभ पहुंचाया गया। वही मेडीकल कैम्प में जबलपुर, इटारसी, होशांगाबाद के आलवा ग्राम भूतखेड़ा, ग्राम धनौरा, ग्राम पलोहा बड़ा, ग्राम दुरसुरी, ग्राम सूखाखेरी, ग्राम दहलबाड़ा, चीचली, ग्राम मनकापुर, ग्राम नगबाड़ा, ग्राम इमलिया, अमरबाड़ा, ग्राम सैठान, ग्राम परसबाड़ा, ग्राम महगवां कला ,ग्राम कान्हरगाव सहित अनेक गांवों के मरीज शामिल थें।

मौसम के बदले मिजाज ने किसानों को डाला हैरत में, मूंग फसल को सुरिक्षत करने में रात दिन एक करते हुये जुटा हुआ देखा जा रहा है क्षेत्र का अन्नदाता

हरिभूमि न्यूज/चीचली।

दुनिया का पेट भरने वाला अन्नदाता किसान की परेशानियों को शायद ही कभी कोई नही समझ पता है क्योंकि जब किसान अपने खेतों में बोनी करने की शुरूआत करता है तो उसे जरूरी सामग्री प्राप्त करने के लिये भूखे प्यासे रहकर लम्बी लम्बी लाईनों में खड़ा रहने के लिये मजबूर होते हुये देखा जाता है। मगर इसके बाद जब वह किसी भी प्रकार से अपने खेतों में फसल को लगा चुका होता है तो उसमें लगने वाले अनेक प्रकार की कीटों से बचाव को लेकर मंहगी से मंहगी दबाईयों का छिडकाव करने के लिये पैसा नही रहता है तो कर्ज उठाते हुये अपनी फसल की रक्षा के चलते कर्जदार बन जाता है और उसकी खेत में फसल तैयार होकर कटने की स्थिति में पहुंचती है तो प्रकृति की मार अन्न दाता का पीछा नही छोड़ती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय भी देखने मिल रही है। लगातार प्रकृति की मार झेलते हुये किसानों द्वारा सूरज की तेज तपन का सामना करते हुये अपने खेतों में मूंग फसल इस उम्मीद के साथ लगाई गई थी कि इस वर्ष शायद किस्मत उनका साथ दे देगी और वह जूझ रहे आर्थिक तंगी से निजात पा जावेगे और इसी सोच के चलते मूंग फसल की सुरक्षा को लेकर उनके द्वारा काफी लगात भी लगाई गई थी जिसके चलते मुश्किलों के बीच तैयार हुई मूंग फसल इस समय किसानों के खेतों में कटने की तैयार हो चुकी है। मगर अचानक मौसम के बिगडते बनते हुये मिजाज ने किसानों को परेशानी में डाल दिया गया है। क्योंकि देखा जाता है कि आये दिन अचानक तेज हवा और आसमान में छाने वाले बादलों ने निश्चित अन्नदाताओं की रातों की नींद गायब कर दी है और इसी के चलते इस समय सूजर की तेज तपन की चिंता न करते हुये किसान अपने खेतों में खडी हुई मूंग फसल को सरक्षित घर लगाने की तैयारी में जुटा हुआ देखा जा रहा है? इस तरह किसानों को मूंग फसल की कटाई से लेकर घर तक लाने के लिये काफी लगात लगाना पड़ रही है। क्योंकि दिनों दिन बढ़ रही महंगाई के बीच किसानों के लिये हर कार्य महंगे दामों में कराना पड़ रहा है और वह दिन रात अपने खेतों में नजर आते हुये मूंग फसल की कटाई में जुटा हुआ देखा जा रहा है? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि इस तरह रात दिन एक करते हुये किसानों द्वारा तैयार की गई मूंग फसल को यदि सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर नही खरीदा गया तो निश्चित तौर से किसान व्यापारियों को अपनी मूंग ओने पोने दामों में विक्रय करने के लिये मजबूर हो जावेगे और इससे उनके द्वारा इस फसल को तैयार करने में लगाई गई लगात प्राप्त करना भी मुश्किल हो जावेगा? क्योंकि अभी तक सरकार द्वारा यह बात उजागर नही की गई है कि उसके द्वारा किसानों की मूंग फसल को समर्थन मूल्य पर खरीदा जावेगा कि नही इसी के चलते क्षेत्र के किसान अपनी मूंग फसल को लेकर असमंजस की स्थिति में पड़े हुये दिखाई पड़ रहे है?

स्वरूचि भोज अब गांवों में भी बना फैशन, लाखों के अन्न की हो रही बरबादी ?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। आज भी अनेक गरीब इस तरह से देखे जा सकता है जो अपना व अपने बच्चों का पेट भरने के लिये जान जोखिम में डालकर काम करते हुये देखे जाते है। जब कही उन्हें दो वक्त की रोटी मिल पाती है। मगर धनवानों का हाल इस तरह से देखने मिल रहा है कि आयोजित होने वाले स्वरूचित भोजों के बीच अगर कोई भूखा गरीब पहुंच जाता है तो उसे धक्के मारकर बाहर कर दिया जाता है। वहां पर उसे दो रोटी तक देने में लोग परहेज करते हुये देखे जाते है। मगर वही आयोजन के बाद जिस तरह भोजन को फिकते हुये देखा जाता है इस सच्चाई को देखकर निश्चित तौर से गरीबों की आंखों में आंसू आने से नही चूक पाते है। इस तरह लगातार बढ़ रहे स्वरूचि भोज के चलन के बीच लोगों को अन्न खाते कम और फैकते हुये अधिक देखा जाता है। शहरों के साथ साथ अब गांवों में बड़ रहा स्वरूचि भोज का चलन निश्चित तौर से अन्न की बर्बादी के नजारे उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ता है..? कुछ साल पहले तक गांव देहात मे जिसे गिद्धभोज कहा जाता था वह बफर सिस्टम अब गांवों में भी एक रूप से रिवाज बन चुका है? जो लोग आज हमारे हिन्दू धर्म की परम्परा के अनुसार पंगत से यानि प्रतिभोज कराते है उन्हें लोग हीन भावना से देखने लगे है? यहां तक की गांव कस्बों मे भी स्वरूचि भोजन ने पंगत का स्थान ले लिया है, कहते है कि नकल मे भी अकल की जरूरत होती है, जिसकी हमारे मध्यमवर्गीय समाज मे निहायत कमी नजर आती है? नतीजा यह है कि जिस देश मे करोड़ों लोग दाने- दाने को मोहताज है, उसी देश मे आज के समय में शादियों और इस तरह के अन्य समारोहो मे आयोजित होने वाले बफर यानि स्वरूचिभोज मे लोग बेरहमी से तमाम खाद्य पदार्थ प्लेटों मे भरकर और आधा अधूरा खाकर हजारों रूपये के खाद्य पदार्थ यानि की अन्न देवता की बरबादी कर रहे है, जबकि सही मायने में देखा जावे तो उस भोजन अन्न के लिए आज भी कई परिवार तरस रहे है? आमतौर पर कुछ समय पहले तक हमारे देश में लोग पंगत मे बैठकर खाने को लोग सम्मान की दृष्टि से देखते थें, मगर अब लोगों ने अपनी फैसन के चलते उसे भूलकर बफर में खड़े होकर खाने को अपना सम्मान समझने लगे है? चाहे धनाढ्य वर्ग हो या मध्यमवर्गीय परिवार इस भोज को उसने अपनाया है और लोगों के सामनें अपनी हैसियत दिखाने के लिए वह तरह तरह के व्यंजन बफर मे रखता है और लोगों के जीभ मे व्यंजन देखकर पानी भर आता है और लोग असत्तपन की हद तक जाकर अपनी प्लेटों मे खाना तो भरपूर रख लेते है पर खा नही पाते और उसे थोड़ी देर बाद पास मे पड़े डिब्बे मे छोड़ देते है और बाद मे बेटरों द्वारा इस महत्तवपूर्ण भोज्य पदार्थ को ले जाकर कचरे के ढेर जैसे लगा दिया जाता है? कुछ गरीब तबके के लोग इसी ढेर से खाद्य सामग्री बीनकर अपना व अपने बच्चों का पेट भरते है और बाकी खाद्य पदार्थ फेंक दिया जाता है? पहले यह होता था कि पंगत मे लोगों को बैठाकर पूछ पूछकर खाना परोसा जाता था, लोगों को इसमे आत्मानुभूति होती थी, पेट भी भरता था और खाने की बरबादी भी नही होती थी और पगंत में पतल में खाने में मजा भी आता था, परन्तु अब इसके उलट स्वरूचिभोज यानि बफर एक फैशन बन गया है और उसमे खाने की बरबादी भी शामिल हो गई है। लोग प्लेट मे लेकर छोड़ देने की आदत को रिवाज सा समझने लगे है। जिस तरह भोजन की बरबादी होती है यदि वही भोजन किसी गरीब बस्ती मे बांटा जाये तो कई भूखे परिवारों का पेट भरा जा सकता है।

भीषण महॅगाई के दौर में माध्यमवर्गीय लोगों को आशियाने बनाना हुआ मुश्किल, प्लाटों की कीमत छू रही आसमान

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। समय के चल रहे मंहगाई के कुचक्र से बाजार में मूलभूत आवश्यकता की चीजों के दाम बढ़ने से शहर के निवासियो की जिन्दगी की मिठास जहां खत्म होती जा रही है, वही सीमेंट, लोहा, इमारती लकड़ी, रेत, गिट्टी, के दाम स्थिर न रहने से गरीब तो दूर मध्यवर्गीय लोगों का अपने बच्चों के लिए आशियाना बनाने का सपना चकनाचूर हो रहा है। गौरतलब है कि शहर में मौजूदा दौर में मकान निर्मित करने के लिए उपयुक्त जमीनो की कीमतें आसमान छू रही है, जिसके चलतें अधिकतर नौकरी पेशा और साधारण स्थिति के लोगों के लिए अपना मकान बनाने के लिए प्लाट खरीदना आसान नहीं रहा है । उधर,आलम यह है कि जिन व्यक्तियों ने पूर्व में अपने मकान बनाने के सपने सॅजोकर नगर में प्लाट खरीद रखे है तो दूसरी ओर उनकी कीमत तो लगातार बढ़ रही है। किंतु निर्माण सामग्री, मजदूरी महॅगी होने और अन्य समस्याओं के आडे आने के कारण फिलहाल उनकी मकान बनाने की हिम्मत नही हो रही है और इन खाली पड़े प्लाटो में कचरे के अम्बार लगे नजर आ रहे है? ज्ञातव्य है कि सेवा निवृत्ति के कगार पर आए शासकीय कर्मचारियो, गांवो से शहर में आए हुए लोगों के साथ साथ किसानों और गरीबों की हसरत रहती है कि वह अपने बच्चों के लिए शहर में बेहतर मकानों का निर्माण करायें। किंतु विडम्बना की बात है कि भीषण होती जा रही महॅगाई उनके आशियाने बनाने के अरमानो को मटिया मेट कर रही है। सच्चाई पर गौर किया जावे तो शहर में जमीनों, मकानों की निर्माण सामग्री के दाम में लगातार बढ़ोत्तरी का सिलसिला लगभग 15 वर्ष पहले शुरू हुआ था, जिसके रूकने का नाम न लेने का ही परिणाम है कि हाईटेक दौर में अधिकतर शहरवासी अपनी आने वाली पीढ़ी को नए मकान का उपहार नही दे पा रहे है..? वही जागरूक शहरवासियों का कहना है कि शहर में शासकीय विभागों की बेशकीमती जमीनो पर अतिक्रमण होने से जरूरत मंद व्यक्ति नजूल, नपा.आबादी, लोक निर्माण विभाग की जमीन पर मकान बनाने के लिए मजबूर देखे जा रहे है? साथ ही युवा पीढी की पसंद आधुनिक डिजाईन के मकान बन गए, इस स्थिति शहर में पुराने मकान तो बिके पर नए मकान बनाने के लिए जगह तलाशना मुश्किल हो गया, नगर में मकान बनाने के लिए भूखंडो का अभाव होने से चिंतित अधिकतर शहर के वाशिन्दो का कहना है कि शहर की आबादी बढ़नें से नगर सीमेंट, कांक्रीट के जंगल में तब्दील होता जा रहा है हर शख्स चाह रहा है कि वह अपना अपने व बच्चों के लिए नया मकान बनाये मगर मकान बनाने उसे एक सपने के समान ही जान पड़ रहा है, इस बात का नतीजा है कि क्षेत्र में एनटीपीसी पावर प्लांट लगने और क्षेत्र में नयी औद्योगिक इकाईयॉ स्थापित होने की आहट मिलने से जमीनो के दाम बढ़ रहे है तथा अधिकांश लोगो के मकान बनाने के सपने अधर में लटके है।

पंचायतों की उदासीनता के चलते ग्रामीणों को नहीं मिल रहा शासन की योजनाओं का लाभ, अनेक लोग खस्ताहाल मकानों में रहने के लिये मजबूर

हरिभूमि न्यूज/ चीचजी। जहां एक ओर सरकारों द्वारा शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले गरीबो के लिए अनेक प्रकार की हितैषी योजनाएं चलाकर गरीबी का भला करने की सोच रखे हुए है, वही दूसरी ओर देखा जावे तो जो गरीब भवन विहीन है, उन्हें शासन द्वारा अपनी पूर्व की इंदिरा आवास योजना के बाद अब प्रधानमंत्री आवास योजना तथा मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत पक्के भवनों का निर्माण कराते हुए प्रदान किये जाने के लिए सराहनीय पहल शुरू की गई, इसके आलवा शासन की इस प्रकार आवास योजनाओं सहित अन्य योजनाओं का लाभ देते हुए भवन बनवाने की पहल कर रही है? मगर वही दूसरी ओर देखा जावे तो यह योजनाओं जमीन स्तर पर मात्र स्वार्थ पूर्ण होने के कारण अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के हितैषियों तक ही सीमित होते हुए दिखाई पड़ रहा है तथा शासन की राशि का सही उपयोग नही होने के कारण अनेक पंचायतों में सरकार की इन योजनाओं को पंचायतों में बैठे हुए जनप्रतिनिधि बट्टा लगाने से नही चूक रहे है। इस बात की सच्चाई शहर से लेकर क्षेत्र के अनेक ग्राम पंचायतों में आसानी से देखने मिल सकती है, जहां पर पंचायत स्तर के जनप्रतिनिधियों ने इन योजनाओं का सबसे अधिक लाभ उस तरह के लोगों को प्रदान कर दिया गया है जिनके पहले से ही पक्के महान होने के बाद भी एक ही परिवार को अलग अलग भागों में विभाजित कर अलग अलग आवास बनावा दिये गये हे जबकि जो इस योजना के सही हकदार माने जाते है वह आज भी अपने कच्चे व खस्ता हाल आवासों में रहने के लिये मजबूर देखे जा रहे है? क्योंकि पंचायतों में बैठे हुए जनप्रतिनिधियों की मनमानी के चलते इस योजना का लाभ पूर्णरूप से स्वार्थ से परीपूर्ण नजर आ रहा है और गांवों में पात्र हितग्राहियों को इन योजनाओं का लाभ मिलने की जगह इस प्रकार के लोगों को मिलते हुए देखा जा रहा है जिनके भवन पहले से ही पक्के बने हुए है मगर पंचायतों के प्रतिनिधियों द्वारा उस परिवार के लोगों को पृथक करते हुए उन्हें अलग अलग नामों से भवनों की स्वीकृति प्रदान करते हुए उनके भवनों को सजबाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। इस प्रकार की सच्चाई की जांच करने की मांग करते हुए आमजन द्वारा पंचायतों में निर्मित हो रहे भवनों की जांच कराई जावे तो चौकाने वाली सच्चाई सामने आने से नही बच पायेगी? क्योंकि यदि किसी जिम्मेदार अधिकारी द्वारा केन्द्र सरकार से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना की निष्ठा के साथ जांच की जावे तो शहर से लेकर गांवों में इस तरह के लोग आसानी मिल जावेगे जिनके पास पहले से ही पक्के मकान होने के बाद भी उन्हें इस योजना का लाभ प्रदान करते हुये सिर्फ अपने पक्के आवासों को नई दुल्हन की तरह सजाते हुये शासन की राशि हडप ली गई है?

खबर संक्षेप

नर्मदा पथ सर्वेक्षण एवं जनजागरण यात्रा का शुभारंभ

अमरपुर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा नर्मदा पथ सर्वेक्षण एवं जनजागरण यात्रा 25 मई से 5 जून तक आयोजित हैं। जिसमें विकासखण्ड बजाग में 31 मई को नर्मदा पथ सर्वेक्षण एवं जनजागरण यात्रा का शुभारंभ ग्राम पंचायत पथरकुचा से किया गया। जिसमें नवागत जिला समन्वयक धर्मेन्द्र चौहान, विकासखण्ड समन्वयक अमर लाल धुर्वे (विकासखण्ड अमरपुर), विकासखण्ड समन्वयक श्रीमती अंजू दुबे (विकासखण्ड बजाग), शिवकुमार धुर्वे, खिलावन सिंह गौतम, सुरेन्द्र धर बडगैंया, सूरज लाल नंदा, पूजा तिवारी, विमल रौतेल, भानसिंह मरकाम, पंचायत सरपंच, सचिव, प्रस्फुटन समितियों से अध्यक्ष, सचिव, छात्र छात्राओं एवं ग्रामवासियों ने कार्यक्रम में सहभागिता दी। कार्यक्रम का शुभारंभ नर्मदा जी के पूजन से किया गया। तत्पश्चात नर्मदा तट पर श्रमदान किया गया। इसके बाद नर्मदा पथ सर्वेक्षण एवं जनजागरण यात्रा हेतु चौपाल में जिला समन्वयक धर्मेन्द्र चौहान द्वारा परिक्रमा वासियों के लिए पथ निर्माण, रैन बसेरा, घाट निर्माण एवं नर्मदा समिति के गठन के लिए विस्तृत रूप से जानकारी दी गई एवं नर्मदा पथ सर्वेक्षण फार्मेट की जानकारी ली गई। यह यात्रा ग्राम पंचायत पथरकुचा से शोभापुर, गन्नागूडा और मझियाखार में आयोजित की गई।

नपं अध्यक्ष ने हरी झंडी दिखाकर पर्यावरण जनजागरूकता रैली का किया शुभारंभ

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती सिंह जी नर्मदा मंदिर प्रांगण से हरी झंडी दिखाकर पर्यावरण जनजागरूकता रैली का शुभारंभ किया गया। रैली नर्मदा मंदिर के मुख्य प्रांगण से नगर भ्रमण करते हुए पुष्कर डैम के पास समापन किया गया। तत्पश्चात जल गंगा संवर्धन मिशन के तहत नर्मदा नदी की साफ सफाई की गई एवं वृक्षारोपण का कार्य किया गया। कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका अधिकारी शिव प्रसाद धुर्वे, वन विद्यालय अमरकंटक के रेंजर के पी प्रजापति, सहायक अनुदेशक, दशरथ प्रजापति, भारत, सहायक निदेशक प्रदीप कुमार सोनी एवं वनरक्षक प्रशिक्षण केंद्र के बच्चे प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से बी एम पटेल, कनिष्ठ वैज्ञानिक, विजय शंकर पाठक, कामता प्रसाद, सुभाष कुमार निगम, बालेंद्र सिंह नगर पालिका एवं नगर पालिका परिषद अमरकंटक के आम नागरिक पत्रकार बंधु, सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे। अमरकंटक में पॉलिथीन छापामार कार्रवाई भी की गई। दुकानदारों को अमानक प्रकार की पॉलिथीन ना रखने हेतु समझाइस भी दी गई।

श्री मार्कंडेय आश्रम अमरकंटक में अखंड रामचरित मानस का पाठ संपन्न

अमरकंटक। श्री मार्कंडेय आश्रम अमरकंटक में आचार्य महामंडलेश्वर ब्रह्म ऋषि रामकृष्णा नंद जी महाराज के आशीर्वाद से मुख्य यजमान गिरिजा शंकर तिवारी सपत्नीक (भोपाल) के द्वारा आयोजित किया गया जिसमें अमरकंटक नगर के विद्वान पंडितों के द्वारा अखंड रामचरितमानस का पाठ संपन्न हुआ आचार्य महामंडलेश्वर ब्रह्मऋषि स्वामी रामकृष्णा नंद जी महाराज ने बताया कि सनातन धर्म में सबके आराध्य भगवान हैं। श्री राम सम्पुण जीवन का सारांश है श्री राम चरित मानस प्रत्येक सनातनीओं को रामायण का अनुसरण करना चाहिए जिसमें संपुर्ण पाठ पंडित धनेश पाठक पंडित सुरेश प्रसाद मिश्रा पंडित अमरनाथ उपाध्याय पंडित राम नरेश शास्त्री किया गया तत्पश्चात विशेष हवन व भंडारे के साथ संपन्न किया गया।

एपीसी वित्त श्री चतुर्वेदी के सेवानिवृत्ति पर आयोजित किया सम्मान समारोह

अनूपपुर। जिला शिक्षा केंद्र अनूपपुर के सहायक परियोजना समन्वयक वित्त एच के चतुर्वेदी शासकीय अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर शासकीय सेवा से सेवानिवृत हो गए। इस अवसर पर विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों ने विदाई कार्यक्रम का आयोजन किया। जिला परियोजना समन्वयक आशुतोष कुशवाहा ने इस अवसर पर कहा की शासकीय प्रक्रिया में सेवानिवृत्ति एक पड़ाव है। सेवानिवृत्त सभी शासकीय सेवकों को होना पड़ता है। उन्होंने कहा कि शासकीय दायित्व से निवृत होकर श्री चतुर्वेदी को अपने परिवार और समाज कल्याण की दिशा में समय प्राप्त होगा जिसका उन्हें बेहतर सदुपयोग करना चाहिए।

पिपरिया पहुंचे दिग्विजय सिंह, बैगा आदिवासियों की ज़मीन के लिए छेड़ी जंग

डिंडोरी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह रविवार को डिंडोरी ज़िले के पिपरिया गांव पहुंचे, जहां उन्होंने बैगा जनजाति के लोगों की ज़मीनों पर हुए कथित फर्जीवाड़े के खिलाफ समर्थन जताया।

दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि बाक्साइड़ खदान के नाम पर दलालों के माध्यम से कटनी के धन्ना सेठ को आदिवासियों की ज़मीनें धोखे से बेच दी गई हैं। उन्होंने बताया कि जमीन के दस्तावेजों में भारी गड़बड़ी की गई है। "जहां सिर्फ़ 2 एकड़ ज़मीन दिखाकर 22 एकड़ की रजिस्ट्री करवाई गई, यह साफ़ है कि सुनियोजित तरीके से बैगाओं की ज़मीन हड़पने की साजिश रची गई। इस प्रकार लगभग 1000 एकड़ ज़मीन आदिवासियों से छीन ली गई है।" बैगा आदिवासियों की सैकड़ों एकड़ जमीन औने-पौने दामों पर रजिस्ट्री कराई गई। यह बयान उन्होंने सामाजिक न्याय और आदिवासियों के हक की रक्षा के संदर्भ में दिया. हालांकि, उक्त मामले में कानूनी राय स्पॉट पर अधिवक्ता सम्यक जैन से ली गई है और बताया गया है कि उक्त मामले में आदिवासी भाई बहनो के साथ न्याय होना चाहिए और यह लड़ाई आखिरी दम तक लडी जाएगी .

पूर्व मुख्यमंत्री ने इस मुद्दे को केवल ज़मीन का मामला नहीं बल्कि आदिवासी समाज की पहचान, हक और जीवनयापन से जुड़ा गंभीर मसला बताया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कांग्रेस पार्टी पूरी ताकत के साथ इस लड़ाई में बैगा समाज के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि इस मामले को विधानसभा से लेकर अदालत तक ले जाया जाएगा और प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों को सज़ा देने की मांग की जाएगी।

बैगा जनजाति, जो संविधान द्वारा संरक्षित अनुसूचित जनजाति है, परंपरागत रूप से जंगल और खेती पर निर्भर है। ऐसे में उनकी पुश्तैनी ज़मीनों का इस तरह हड़प लिया जाना न केवल कानून के विरुद्ध है, बल्कि सामाजिक और नैतिक दृष्टिकोण से भी निंदनीय है।

दिग्विजय सिंह की इस पहल का गांव के लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों, बुजुर्गों और युवाओं ने अपनी आपबीती साझा की और बताया कि कैसे उन्हें धोखे से ज़मीनें छीनी गईं।इस दौरे से ग्रामीणों को न्याय मिलने और खोई हुई ज़मीनें वापस दिलाने की उम्मीद जगी है।

---

50 लाख रुपए की लागत से बना अमृत सरोवर खुद प्यासा, विभागीय लापरवाही से तालाब सूखे पड़े

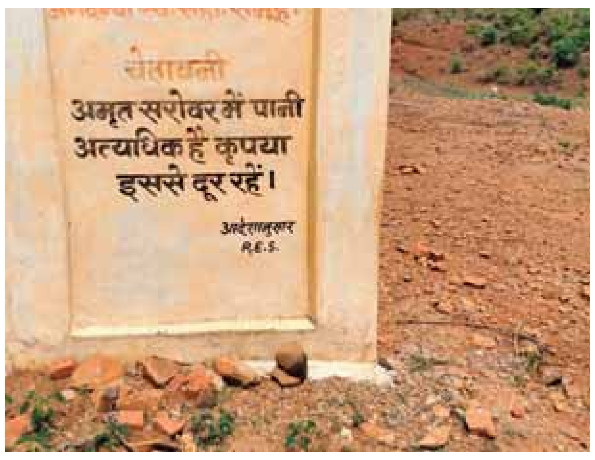

अमरपुर।

सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत अमृत सरोवरों का निर्माण किया गया था, जिनका मुख्य उद्देश्य सिंचाई, मछली पालन और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देना था। डिंडौरी के ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग को इस कार्य की एजेंसी नियुक्त किया गया था। मगर, अफसोस की बात है कि लाखों रुपए की लागत से बने ये अमृत सरोवर आज सूखे पड़े हैं और उनमें एक भी बूंद पानी नहीं बची है।

ग्राम बरसिंघा में मुख्य मार्ग के किनारे बने अमृत सरोवरों की हालत देखकर आश्चर्य होता है। सूखे तालाबों के किनारे लगे सूचना पटल पर लिखा है कि "अमृत सरोवर में पानी अत्यधिक है, कृपया दूर रहें।" यह स्थिति न केवल हास्यास्पद है, बल्कि सरकारी व्यवस्था की गंभीर लापरवाही को भी उजागर करती है।

इसी प्रकार रामगढ़ ग्राम पंचायत के बिजौरी एवं बांकाटोला में बने अमृत सरोवर भी पानी विहीन हैं। बावजूद इसके, इन सरोवरों को मछली पालन के लिए आवंटित किया जा चुका है। अब सवाल उठता है कि बिना पानी के कौन सी मछली पालन संभव है? यह मामला विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत की ओर इशारा करता है, जिन्होंने लाखों रुपए की जनता की धनराशि का दुरुपयोग किया है।

इसके अलावा, तालाबों के निर्माण स्थल पर सूचना पटल पर निर्माण कार्य प्रारंभ करने की तारीख जरूर अंकित है, लेकिन तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी कार्य पूरा करने की तारीख नहीं लिखी गई है। इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि निर्माण कार्य शायद अभी भी अधूरा ही है।

यह स्थिति स्थानीय ग्रामीणों के लिए भी चिंता का विषय है क्योंकि अमृत सरोवरों का उद्देश्य ही ग्रामीण क्षेत्र के सिंचाई, जल संरक्षण और आय के स्त्रोतों को बढ़ावा देना था। विभागीय अनियमितताओं और लापरवाही के कारण यह योजना सिर्फ एक दिखावा बन कर रह गई है।स्थानीय ग्रामीण और जागरूक नागरिक विभाग से जल्द कार्रवाई की मांग कर रहे हैं ताकि अमृत सरोवरों में जलभराव कर इनके वास्तविक उपयोग को सुनिश्चित किया जा सके और जनता के धन का सही उपयोग हो सके।

मैया अभियान ने अम्बेडकर घाट के दूषित नर्मदा जल को किया निर्मल

डिंडोरी।

पिछले दो वर्षों से चल रहे नर्मदा स्वच्छता सेवा "मैया अभियान" के सदस्यों ने रविवार को पुल के समीप अम्बेडकर घाट के नर्मदा जल में फैली गंदगी को साफ करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। मैया अभियान के सदस्यों ने बताया कि इस घाट में नर्मदा नदी का जल अत्यंत प्रदूषित है और इसका रंग काला हो चुका है, जो चिंता का विषय है।

मैया अभियान के कार्यकर्ताओं ने तीन सप्ताह तक लगातार श्रमदान कर नदी में डूबे प्लास्टिक पन्नियों, गंदे कपड़ों, कांच की बोतलों और डायपर जैसी वस्तुओं को निकालकर जल प्रवाह सुगम बनाया। इस स्वच्छता कार्य से नर्मदा नदी के प्रदूषण को कम करने में मदद मिली है।

शिक्षक जितेन्द्र दीक्षित ने बताया कि बरसात के पहले यदि अम्बेडकर घाट की जेसीबी से सफाई कराई जाए और समीप के सुलभ शौचालयों से निकलने वाले प्रदूषित पानी को नर्मदा नदी से अलग किया जाए तो नर्मदा जल पूरी तरह निर्मल हो सकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि डिंडोरी नगर में पिछले 40 वर्षों से सात नाले लगातार नर्मदा नदी को प्रदूषित कर रहे हैं, लेकिन इस दिशा में अभी तक कोई प्रभावी कार्ययोजना नहीं बन पाई है, जो अत्यंत खेदजनक है।

रविवार को मैया अभियान के सदस्यों ने सुबह 7 बजे से श्रमदान करते हुए लगभग दो ट्राली कचरा नदी से बाहर निकाला। इस दौरान डॉ. संतोष परस्ते, आर. पी. कुशवाहा, शाहिद खान, मनोज चौकसे, जितेन्द्र दीक्षित, राम विशाल, मिथलेश, भागवत यादव, याथार्थ यादव, बालिका माही बरौतीया, संतोष परमार, अवध गोहिया एवं अंकित बर्मन सहित अन्य सदस्यों ने स्वच्छता का संदेश दिया।इस पहल से स्थानीय समाज में जल संरक्षण एवं पर्यावरण स्वच्छता को लेकर जागरूकता बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

हाइवे पर आवारा मवेशियों के जमघट से वाहन चालक परेशान राहगीर कई बार हो चुके चोटिल, कठोर कार्यवाही की मांग

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

राष्ट्रीय राज मार्ग क्रमांक 43 में बीच सड़कों पर आवारा चौपायों के विचारण करने के कारण आए दिन सड़क दुर्घटनाएं घटित हो रही है। अनूपपुर से लेकर जिले के अंतिम छोर डोला रामनगर तक यह आवारा चौपाये बीच सड़कों पर ही डेरा जमाये बैठे रहते हैं। इलाके में चराई के क्षेत्र ज्यादातर पशु पालक सिर्फ दुधारू पशुओं का ही ख्याल रखते हैं। दूध देना बंद होते ही पशुओं को खुला छोड़ दिया जाता है। नगर में सैकड़ों आवारा मवेशियों के झुंड दिन रात सड़क पर घूमते दिखाई देते हैं। नपा प्रशासन भी आवारा मवेशियों की रोकथाम में चाहकर भी कुछ नही कर पा रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 मे सड़क पर आवारा मवेशियों के कारण आए दिन लोग हादसे का शिकार हो रहे हैं। हाईवे पर पसला फुनगा पयारी बदरा बंशी टोला कोतमा पैरीचुआ बेलिया छोट झिरिया टोला डोला में बीच सड़क पर आवारा मवेशी आराम फरमाते हैं और भूख लगने पर दुकानों और घरों पर मुंह मारते हैं। पयारी बस स्टैंड से लेकर बंशी टोला बदरा तक 100 से अधिक मवेशी खुले छोड़ रखे हैं। यही हाल कोतमा नगर का भी है। मेन रोड पर फल व सब्जियों के ठेले, होटलों के आसपास इधर-उधर मुंह मारते मवेशियों के झुंड लोगों के लिए परेशानी की वजह बन रहे हैं। दिन रात राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 में खुले घूमते गाय, बैल, सुअर जैसे आवारा मवेशियों के कारण वाहन चालकों का निकलना खतरे से खाली नहीं है। सड़क पर सांडों के बीच लड़ाई और पशुओं की धमाचौकड़ी से कई बार लोग जख्मी हो जाते हैं।

नए सिरे से नियम तैयार किये जाने की जरूरत

इन दिनों हाइवे पर आवारा पशुओं की समस्या से वाहन चालक प्रभावित है। लेकिन जिम्मेदारों ने कर्तव्य की इतिश्री कर ली है। आवारा जानवरों की वजह से राजमार्ग पर हादसों मे आये दिन बढ़ोतरी हो रही है। साथ ही

आवारा पशुओं की संख्या में इजाफा भी हो रहा है। राजमार्ग पर आवारा पशुओं व जंगली जानवरों की वजह से आये दिन हादसे हो रहे हैं। हादसों में कमी लाने के लिए राजमार्ग के लिए नए सिरे से सड़क परिवहन विभाग को नियम तैयार किया जाना चाहिए। भोजन की तलाश में भटकते इन बेजुबान को इस बात का अंदाजा नहीं हो पाता कि खुद वे भी हादसे का शिकार हो सकते हैं। यही कारण है कि आए दिन कोई न कोई आवारा चौपाये हादसे का शिकार हो ही जाते हैं। प्रशासन के पास भी इन पशुओं की व्यवस्था करने का कोई विकल्प नहीं है। राजमार्ग पर होने वाले हादसों की बड़ी वजह आवारा पशुओं और जंगली जानवरों को माना गया है। पूर्व में जिला कलेक्टर के द्वारा एक आदेश जारी किया गया था और राष्ट्रीय राजमार्ग की सड़कों पर आवारा मवेशियों के विचरण करने के कारण हो रहे हादसों में कमी लाने के लिए अधिकारियों के साथ ही ग्राम पंचायत को निर्देश जारी किए गए थे कि जो भी जानवर हाईवे पर विचरण कर रहे हैं उन्हें पड़कर गौशाला भेजने की व्यवस्था की जाए कुछ दिनों तक निर्देश पर अमल जरूर हुआ लेकिन उसके बाद फिर वैसा ही हो गया जिसके कारण हाईवे पर आवारा मवेशियों का जमघाट दिन-रात लगा रहता है।

लोक परिवहन और शैक्षणिक वाहनों की सघन जांच, 158 वाहनों पर कार्रवाई

डिंडौरी।

बाणगंगा चौराहा, भोपाल में एक स्कूल बस के अनियंत्रित होकर रेड सिग्नल पर खड़े वाहनों को टक्कर मारने की दुखद घटना के बाद, पुलिस मुख्यालय भोपाल ने पूरे मध्य प्रदेश में लोक परिवहन और शैक्षणिक वाहनों की रखरखाव और दस्तावेज जांच के लिए विशेष अभियान चलाया। यह अभियान दिनांक 13 मई से 31 मई 2025 तक आयोजित किया गया।

इस अभियान को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक डिंडौरी, श्रीमती वाहनी सिंह ने जिले में भी लोक परिवहन और शैक्षणिक वाहनों की सघन जांच के निर्देश जारी किए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डिंडौरी, अमित वर्मा ने कमान संभाली और थाना प्रभारी यातायात सुभाष उइके को इस विशेष जांच दल का प्रमुख बनाया।

अभियान के दौरान यातायात पुलिस ने लोक परिवहन एवं शैक्षणिक संस्थानों के वाहनों की बारीकी से जांच की। इस दौरान 149 वाहनों को सुरक्षा उपकरण न रखने पर, 4 वाहनों को बिना परमिट चलाने पर, 2 वाहनों को बिना फिटनेस सर्टिफिकेट के, 1 वाहन को बिना प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) के, तथा 2 वाहनों को बिना ड्राइविंग लाइसेंस के चलाने पर पकड़ा गया। इनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की गई।

कुल मिलाकर, अभियान के दौरान 158 लोक परिवहन एवं शैक्षणिक वाहनों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई और 1,39,500 रुपये का समन शुल्क वसूल किया गया।

पुलिस प्रशासन का कहना है कि इस प्रकार के अभियान नियमित रूप से चलाए जाएंगे ताकि यातायात सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

आठ दिनों से अनूपपुर, जैतहरी इलाके में विचरण कर पहुंचा रहे नुकसान

कुसुमहाई के जंगल पहुंचे चार हाथी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

चार हाथियों का समूह विगत 8 दिनों से अनूपपुर जिले के जैतहरी एवं अनूपपुर इलाके में विचरण करते हुए शनिवार एवं रविवार की मध्य रात गोबरी,पगना से जैतहरी नगर के बीचों-बीच विचरण करते हुए रविवार की सुबह कुसुमहाई के जंगल में एक बार फिर पहुंच कर विश्राम कर रहे हैं,हाथियों के निरंतर विचरण के कारण ग्रामीण परेशान है वही वनविभाग का मैदानी अमला हाथियों के विचरण पर नजर रखते हुए आम जनों को सतर्क एवं सचेत रहने की अपील की है। चार हाथियों को समूह 25 मई की रात छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही इलाके से अनूपपुर जिले के जैतहरी इलाके में एक बार फिर से प्रवेश कर विगत 8 दिनों से निरंतर जैतहरी एवं अनूपपुर के वन परिक्षेत्र,तहसील एवं थाना क्षेत्र में विचरण कर रहे हैं जो दिन के समय जंगलों में ठहरकर देर शाम एवं रात होने पर ग्रामीण अंचलों में प्रवेश कर किसानों के खेतों,बांडियो में लगी फसलों को अपना आहार बनाया है शनिवार की सुबह चारों हाथी

अनूपपुर वन परिक्षेत्र के दुधमनिया बीट अंतर्गत शक्तिकुंडी के जंगल से बड़वार नाला पार कर सुबह होने पर वन परिक्षेत्र,थाना एवं तहसील जैतहरी के वन बीट एवं ग्राम पंचायत गोबरी के ठाकुरबाबा के पास स्थित जंगल में ठहरने बाद शाम को ठाकुरबाबा के पास सुखीलाल राठौर की बांड़ी में आने पर ग्रामीणों के हो-हल्ला करने पर फिर से जंगल जाकर ठेंगरहा से पगना गांव में जल्दाटोला में नरेश सिंह के खेत में लगी गर्मी वाले धान को खाते हुए तिपान नदी के समीप स्थित बेलिया गांव में बहादुर पिता मोहनलाल कोल के घर की बाउंड्री वॉल को तोड़ते हुए रेलवे लाईन के किनारे किनारे नगर परिषद जैतहरी में बीच शहर से गुजरते हुए रेलवे लाईन एवं अनूपपुर-जैतहरी-वेंकटनगर मुख्य मार्ग को पार कर मुर्रा गांव से टकहुली के भर्राटोला होते हुए रविवार की सुबह धनगवां बीट अंतर्गत ग्राम पंचायत क्योटार के कुशुमहाई गांव से लगे जंगल में एक वार फिर से पहुंचकर ठहरे हुए हैं। हाथियों के निरंतर विचरण से हाथियों के द्वारा किए जा रहे नुकसान के कारण ग्रामीण जन परेशान है जो हाथियों के गांव में पहुंचने की स्थिति में रात-रात भर जाग कर अपनी एवं अपने परिवार के साथ अपनी सम्पत्ति की सुरक्षा कर रहे हैं वही वनविभाग का गस्ती दल हाथियों के विचरण पर निरंतर नजर रखते हुए हाथियों एवं ग्रामीणों की जान-माल की सुरक्षा को देखते हुए निगरानी कर रहा है।

खबर संक्षेप

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 5 को

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में 7 जून 2025 को ईदुज्जुहा एवं 6 जुलाई 2025 को मोहर्रम का त्यौहार शांतिपूर्वक त्यौहार मनाये जाने के संबंध में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक गुरूवार 5 जून को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सुबह 11.30 बजे से आयोजित की जायेगी। यह जानकारी अपर जिला दंडाधिकारी नरसिंहपुर ने दी है।

नपा कर्मचारियों द्वारा बबरिया फिल्टर प्लांट की सफाई की गई

हरिभूमि न्यूज सिवनी। मुख्य नगर पालिका अधिकारी के निर्देश पर आज दिनांक 31 मई 2025 को नगर पालिका जलप्रदाय कर्मचारियों द्वारा बबरिया फिल्टर प्लांट की सफाई की गई कर्मचारियों द्वारा प्लांट में जमा मिट्टी एवं सील्ट को हटाकर उसकी अच्छे से सफाई की गई। विदित होवे कि नागरिकों द्वारा नलों के माध्यम से कुछ क्षेत्र में गंदा पानी आने की शिकायतें प्राप्त हुई थी जिस पर संज्ञान लेते हुए मुख्य नगरपालिका अधिकारी विशाल सिंह ने बबरिया प्लांट का तत्काल निरीक्षण किया एवं निरीक्षण के दौरान देखा गया

छात्रों ने किया उद्यानिकी विभाग की नर्सरी का भ्रमण

हरिभूमि न्यूज लखनादौन। मप्र जन अभियान परिषद योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग विकासखंड लखनादौन अंतर्गत मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के तहत आयोजित समाजकार्य की संपर्क कक्षा में शासकीय उद्यानिकी विभाग के वरिष्ठ उद्यानिकी अधिकारी देवीश वाकडे महाविद्यालय पहुंचे जहां पर उन्होंने छात्र छात्राओं को मानव वन को अर्थ सम्पन्न बनाने में उद्यानिकी का महत्व बताते हुए अपनी कृषि को और अधिक लाभकारी बनाने के लिए परंपरागत खेती के अलावा सब्जियां खेत के मेढ़ो में फलदार पौधे लगाने की सलाह दी।

18 तोला सोना और नगदी लेकर हुए चंपत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पांढुर्णा

नगर से 15 किमी दूर नागपुर रोड पर स्थित ग्राम राजना में गत रात्री अज्ञात चोरों ने एक के बाद एक लगातार 6 घरों पर धावा बोलकर चोरी को अंजाम देते हुए पांढुर्ना पुलिस के सामने चुनौती पेश की है। चोरों ने कुल 18 तोला सोने पर हाथ किया और लाखो रू. नगद लेकर फरार हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम राजना के निवासी विनोद दाते, विजय कुराडे, रमेश सातहाते, नत्थु महाजन, संपत बोबडे तथा सूरतराम खवसे के घर पर चोरों ने अपनी किस्मत आजमाई। सूरतराम खवसे के घर चोर जब घुसे तो परिवार की एक महिला सदस्या की नींद खुल गई और वह चोर चोर चीखने लगी। यह देख कर चोर दीवार फांदकर भाग खडे हुए। महिला के अनुसार चोर अपने हाथों में लाठियां और चाकू लिए थे। पुलिस को प्राप्त सीसीटीवी फूटेज के अनुसार चोरों ने अपने चेहरों पर नकाब लगा रखे थे। पुलिस के अनुसार चोरों की खोजबीन तेजी से की जा रही है। चोरों की सक्रियता के चलते आजू बाजू के गांवों में ग्रामीणजन चिंतित हो गए है।

शिवलिंग की स्थापना कराई

जुन्नारदेव। ग्राम विशाला वार्ड नं 02 में शिक्षक द्वारा शिवराम घाट में प्राण प्रतिष्ठा की गई। मिली जानकारी के अनुसार भगवान शिव नंदीश्वर शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पं लक्ष्मण जोशी के द्वारा विधिवत्त पूजन पाठ करके स्थापना कराई गई। और हरिनाम सत्ता कर अच्छी वर्षा की कामना की इसके पश्चात दही लाई का प्रसाद वितरण किया गया। भगवान शिव नंदीश्वर शिवलिंग स्थापित कर हवन पूजन अर्चन किया गया ओर देर रात्रि तक विशाल भंडारा वितरण किया जिसमें आसपास के श्रद्धालु गणो ने लाभ उठाया।

आगामी खरीफ की तैयारी और नरवाई प्रबंधन के महत्व के बारे में जानकारी दी

वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को दी जा रही विभिन्न जानकारियां

जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में किसानों तक पहुंच रहा दल

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तीसरे दिन

9 पंचायतों में पहुंचे कृषि वैज्ञानिक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में विकसित कृषि संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत तीसरे दिन 31 मई को जिले की तीन विकासखंडों की 9 ग्राम पंचायतों में रथ पहुंचा। यहां जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में अधिकारियों व वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को विभिन्न प्रकार की जानकारियां प्रदान की जा रही हैं।

अभियान के तहत 31 मई को विकासखंड गोटेगांव की ग्राम पंचायत छिंदौरी, मनकवारा व गर्रा, नरसिंहपुर की ग्राम पंचायत बंदरोहा, ढाना व करहैया-नर्मदा और चांवरपाठा विकासखंड की ग्राम पंचायत बिलगुवां, बिलहेरा व लोलरी में किसान चैपाल कार्यक्रम आयोजित किये गये। इन ग्राम पंचायतों में दलों द्वारा किसानों को कृषि की नवीन उन्नत तकनीक, कृषि यंत्र, उन्नत किस्मों बीज व बीज उपचार, कीट नियंत्रण, प्राकृतिक खेती के तरीके, आगामी खरीफ की तैयारी और नरवाई प्रबंधन के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत ये दल किसानों को कृषि की उन्न त तकनीकि, उन्न त कृषि यंत्र, उन्न त किस्मं के बीज, बीज उपचार, कीट नियंत्रण, प्राकृतिक खेती के तरीकों, आगामी खरीफ की तैयारी और नरवाई प्रबंधन के महत्व के बारे में जानकारी दी। साथ ही ग्राम पंचायत बंदरोहा में डॉ. निधि प्रजापति बुआई विधि, कीट नियंत्रण आदि के बारे में विस्तृपत रूप से किसानों के बीच चर्चा की। डॉ. आर.एन.पटैल द्वारा मिट्टी नमूना जांच, सेम्पिलिंग तथा रिपोर्ट कार्ड के आधार पर अनुशंसित सामग्री का उपयोग करने हेतु कृषकों सलाह दी गई। ग्रामपंचायतों में उपस्थित जनप्रतिनिधि एवं अन्यक प्रगतिशील कृषकों द्वारा अन्यग कृषको के साथ प्राकृतिक खेती जैविक खेती आदि विषयों पर चर्चा की गई तथा नई तकनीकि को अपनाने हेतु जागरूक किया गया। ग्राम पंचायत बिलगुवां, बिलहरा एवं ग्राम पंचायत लोलरी में डॉ. एस.आर.शर्मा एवं श्री बी.एम.साहू वरि.कृ.वि.अधि. पहुंचे उन्होंने उपस्थित कृषकों उन्नरत बीज, कीटो के प्रकोप तथा उनसे बचाव के उपाय कृषकों को बताये साथ ही कीटो से होने वाले रोग तथा उनकी पहचान के बारे में विस्तृरत चर्चा करते हुए कीट प्रबंधन के उपाये भी सांझा किये।

इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. आशुतोष शर्मा, डॉ. एसआर शर्मा, डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, सहायक मिट्टी परीक्षण अधिकारी डॉ. आरएन पटैल, अन्य अधिकारी- कर्मचारी और किसान मौजूद थे।

ग्रामीणों से नर्मदा नदी को स्वच्छ बनाये रखने की जा रही चौपाल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में नर्मदा पथ सर्वेक्षण एवं जन जागरण यात्रा नर्मदा जी के दक्षिण व उत्तर तट पर एक साथ निकाली जा रही है। विभिन्न ग्रामों से निकाली जा रही यात्रा के दौरान चैपाल कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को नर्मदा नदी को स्वच्छ बनाये रखने का संदेश दे रहे हैं।

इसी क्रम में एक जून को नर्मदा पथ सर्वेक्षण एवं जन जागरण यात्रा दक्षिण तट के बरमानखुर्द से शुरू की गई। इस दौरान बरमानखुर्द में जल गंगा संवर्धन के अभियान के तहत साफ- सफाई कर लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। नर्मदाष्टक एवं नर्मदा आरती के साथ यात्रा की शुरूआत हुई। यात्रा के दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में जल संरक्षण व संवर्धन की दिशा में भी लगातार कार्य किये जा रहे हैं। स्वच्छता अभियान के तहत नर्मदा नदी में स्नान के लिए आने वाले नागरिकों को यहां- वहां कचरा नहीं फैलाने और नर्मदा नदी को स्वच्छत बनाने की अपील की गई।

इसके उपरांत यह यात्रा बरमानखुर्द से ग्राम अंडिया, घघरौलाकलां व घघरौलाखुर्द, पिठेहरा, कोठिया से होते हुए बिचुआ में सम्पन्न हुई। इस दौरान विभिन्न ग्रामों में चैपाल कार्यक्रम आयोजित किये गये। ग्राम बिचुआ में रात्रि विश्राम हुआ। चैपाल कार्यक्रम के दौरान नर्मदा नदी को स्वच्छ बनाने और नर्मदा के किनारे स्थित परंपरागत मार्ग की स्थिति के बारे में ग्रामीणों से जानकारी ली। इस दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण व संवर्धन के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि लोगों में पानी का सदुपयोग करने और दुरूपयोग को रोकने के लिए जागरूकता लानी चाहिये। पानी हमारे जीवन के लिए बहुत जरूरी है। इसके लिए आने वाले समय में अधिक से अधिक पौधरोपण करने पर जोर दिया।

सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर

चैधरी शंकर लाल शासकीय जिला चिकित्सालय में एक साथ चार कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए। जिसमें राजेन्द्र नावकर ,आर पी पटेल, राजेन्द्र वैरागी, दीवान खांन,आदि, चिकित्सालय के सभागार में विदाई समारोह किया गया, जिसमें सिविल सर्जन डा, जी सी चैरसिया, एवं आर एम ओ डा, राहुल नेमा, डा, प्रियंका नेमा,नेत्र सहायक विजय माहूर, चिकित्सालय के समस्त अधिकारी कर्मचारी, महिला स्टाप तथा,समज सेवा में अग्रणीय रहने वाले पं लक्ष्मण वैष्णव भी उपस्थित रहे सहयोगी शरद ठाकुर,गौरव कटारे , के साथ सभी सेवा निवृत्त साथियों के परिजनों के साथ विदाई समारोह हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन घनश्याम जाटव ने किया।

श्रीमती अमिता चपरा का भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। पूर्व में अनेक वर्षों तक नरसिंहपुर जिला भाजपा प्रभारी रही श्रीमती अमिता चपरा का रविवार को जिला भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया । वर्षों तक भाजपा जिला प्रभारी के नाते भाजपा कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करने वाली शहडोल की नवनियुक्त जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा का रविवार को जिला भाजपा कार्यालय में आगमन पर स्वागत किया इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष एवं महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सहित अनेक कार्यकर्ता गण एवं बहने उपस्थित रहीं।

कलश यात्रा के साथ श्रीराम कथा का शुभारंभ आज से

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कथाव्यास पंडित संतोष राम शंकर महाराज के मुखारविंद से आज 2 जून से रामनगर कालोनी में प्रातरूकाल 9 बजे कलश यात्रा के साथ ही 9 दिवसीय संगीतमय श्रीरामकथा का शुभारंभ हो जाएगा। आयोजक मंडल ने अपील की है कि भक्तगण व धर्म अनुरागी धर्म लाभ व प्रसाद ग्रहण करें कि सत्संग का अवसर बड़ा दुर्लभ और भाग्य से मिलता तो इस अवसर को न गंवाएं व ज्यादा से ज्यादा संख्या में आएं। प्रतिदिन कथा में भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े हुए विविध प्रसंगों का अद्भुत अलौकिक वर्णन सुनें और प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद भी प्राप्त करें । श्री राम कथा 11 जून तक चलेगी।

धनराज सिंह पटेल विद्युत वितरण केंद्र से सेवानिवृत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सिहोरा विद्युत वितरण केंद्र में वरिष्ठ लाइनमैन धनराज सिंह पटेल 36 वर्षों की उल्लेखनीय सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर वितरण केंद्र कार्यालय में एक गरिमामय विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में वितरण केंद्र प्रभारी भूपाल सिंह ऊईके, कार्यालय सहायक श्रेणी-द्वितीय ऋषि कुमार महोबिया, परीक्षण सहायक लखन लाल जाटव, वरिष्ठ लाइनमैन रामनरेश त्रिपाठी, डोभी वितरण केंद्र के कनिष्ठ अभियंता उमेश वाल्मिक, और अन्य सहकर्मियों के साथ धनराज सिंह पटेल के परिवारजन और करीबी रिश्तेदार उपस्थित थे। वितरण केंद्र प्रभारी भूपाल सिंह ने धनराज सिंह पटेल की 36 वर्षों की ईमानदार और समर्पित सेवा की सराहना की। ऋषि कुमार महोबिया ने कहा कि श्री पटेल ने अपने कार्यकाल में न केवल अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया। कनिष्ठ अभियंता उमेश वाल्मिक ने श्री पटेल के अनुकरणीय योगदान की भूरी-भूरी प्रशंसा की। परीक्षण सहायक लखन लाल जाटव, वरिष्ठ लाइनमैन रामनरेश त्रिपाठी, और लाइन परिचारकों श्री आशीष खंगार एवं संदीप प्रजापति ने भी अपने विचार साझा करते हुए श्री पटेल के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। धनराज सिंह पटेल ने अपने संबोधन में सभी सहयोगियों और परिवारजनों का आभार व्यक्त किया। संचालन और आभार प्रदर्शन ऋषि कुमार महोबिया ने किया।

जिस बछड़े को दूध पिला कर पाल रहे थे ट्रेक्टर चढ़ने से दर्दनाक मौत

तेंदूखेड़ा

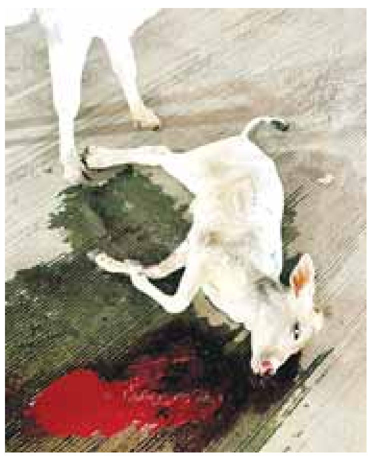

दो माह पूर्व एक गाय बछड़े को जन्म देने के दो दिन बाद खत्म हो गई थी।मूक प्राणियों की सेवा करने वाली वसुधा सेवा समीति के सदस्यों ने इस बछड़े का संरक्षण करते हुए उसे निपुल से दूध पिलाकर पालन पोषण कर रहे थे। बछड़ा लगभग दो माह का ही हुआ ही था कि रोज की भांति मंडी सड़क मार्ग पर बैठा हुआ था इसी बीच तेज रफ्तार में लेबर को छोड़ने आदिवासी अंचल जा रहे एक ट्रेक्टर ने इस पर टेक्टर चढ़ा दिया जिसकी घटना स्थल पर दर्दनाक मौत हो गई। जिसने भी इस दुधमुंहे बछड़े को देखा रोष के साथ व्यथित हो गया। क्योंकि यह बछड़ा सबका खिलौना बन गया था।लोग उसे रोटी पानी का भलि भांति इंतजाम किया करते थे और खिलाते हुए देखे जाते थे। ट्रेक्टर चढ़ जाने के बाद वह रुका नहीं और भाग निकला।रोष युक्त युवा ट्रेक्टर का पीछा करते हुए आदिवासी अंचल पहुंच गए। पुलिस की सहायता से उसे पकड़ भी लिया। चूंकि यह विषय एक छोटे से बछड़े की जिंदगी और निराश्रित उन मवेशियों के साथ प्रतिदिन घटित होने वाली घटनाओं दुर्घटनाओं का है। प्रतिदिन वाहनों के माध्यम से रौंदें जा रहे हैं। और सुरक्षा को तैनात जवाबदारों की जवाबदेही पर प्रश्न चिन्ह लग रहें हैं। लाखों रुपए खर्च करके हर ग्राम पंचायत में गौ शालायें खोली जा रही है आखिर किसलिए। इन गौ शालाओं में ना चारे पानी भूषा की व्यवस्था तक नहीं है। बांधने छोड़ने और रखने को लेकर संबंधित ग्राम पंचायतें अपने हाथ खड़े किए हुये है।

डीएलएड द्विवर्षीय नियमित पाठ्यक्रम प्रवेश प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

डीएलएड द्विवर्षीय नियमित पाठ्क्रम सत्र 2025-26 में ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया एमपी ऑनलाईन के माध्यम से 27 मई 2025 से प्रारंभ हो चुकी है। प्रथम चरण की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 5 जून 2025 तक चलेगी। कक्षा 12 वीं उत्तीर्ण एवं शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में पदस्थ व्यावसायिक रुप से अप्रशिक्षित शिक्षक डीएलएड में प्रवेश के लिए एमपी ऑनलाइन के कियोस्क पर अथवा पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन करवा सकते है। यह जानकारी प्राचार्य डाइट नरसिंहपुर ने दी है।

नशा मुक्ति जन जागरण अभियान रैली एवं नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ

नशे की आदत को दृढ़ संकल्प द्वारा छोड़ा जा सकता- ब्र कु वर्षा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय नरसिंहपुर की शाखा महारानी लक्ष्मीबाई वार्ड भटिया टोला में नशा मुक्त भारत जन जागरण अभियान रैली एवं जिला चिकित्सालय के सहयोग से डॉ शुभ लक्ष्मी सिंघई के द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन रविवार को शासकीय नवीन प्राथमिक शाला भटिया टोला में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरुआत प्रभु स्मृति राजयोग ध्यान के साथ की गई। कु. परी विश्वकर्मा ने दिल के भावों से स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। इसके बाद कला एवं संस्कृति प्रभाग के बाल एवं युवा कलाकारों के द्वारा लघु नाटिका व्यसन राज की प्रस्तुति ने तो दर्शकों का मन मोह लिया।

इस अवसर पर बी के वर्षा दीदी ने कहा कि यह शरीर ईश्वर द्वारा दिया गया अनुपम उपहार है किंतु हम नशीले पदार्थों का सेवन कर इस शरीर रूपी गाड़ी का दुरुपयोग कर रहे हैं । नशीले पदार्थों से इसे बचाना है।नशा के सेवन से खुशी गायब हो जाती है ।इसलिए हमें नशा को सदा के लिए छोड़ना है। राजयोग ध्यान से आत्माओं को सशक्त बनाने के लिए तीन दिन का निशुल्क राजयोग साधना शिविर स्थानीय ब्रह्माकुमारी पाठशाला भटिया टोला में शाम को 6 बजे से निशुल्क रखा गया है।

डॉक्टर शुभ लक्ष्मीश्री ने कहा की नशा मुक्त राज ऋषि बनना है तो ब्रह्मा कुमारीज के द्वारा निशुल्क राजयोग को अवश्य सीखिए। इसके पश्चात मेडिकल प्रभाग द्वारा निर्मित नशा मुक्ति प्रदर्शनी का अवलोकन कराया गया।

31 मई 2025
विश्व तम्बाकू निषेध दिवस
नशा मुक्त

इसके बाद जिला चिकित्सालय से डॉ शुभ लक्ष्मी सिंघई (एनेस्थीसिया) ने निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर परामर्श दिया। कु नैंसी कु सृष्टि ने नृत्य के द्वारा नशा मुक्त भारत का संदेश दिया।